(iii) भर्तृहरि

(Bhartrihari)

(iv) विल्हण

(Bilhana)

01st Jan 2024

[This question paper contains 8 printed pages.]

Maitreyi College LIBRARY Chanakyapuri, New Delhi-110021

Your Roll No..............

Sr. No. of Question Paper : 604 **G**

Unique Paper Code : 2132101102-DSC2

Name of the Paper : Classical Sanskrit Poetry

Name of the Course : **B.A. (Hons.) SANSKRIT**

Semester : I

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 90

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Unless otherwise required in a question answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।
2. अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए ।

munotes.in

1. निम्नलिखित में से **किन्हीं दो** पद्यों का अनुवाद कीजिए :

(6×2=12)

Translate any **two** of the following verses :

(i) लभेत सिकतासु तैलमपि यत्नतः पीडय-

न्पिबेच्च मृगतृष्णिकासु सलिलं पिपासार्दितः ।

कदाचिदपि पर्यटञ्छशविषाणमासादये-

न्नतुप्रतिनिविष्टमूर्खजनचित्तमारा धयेत् ।।

(ii) तथा समक्षं दहता मनोभवं पिनाकिना भग्नममनोरथा सती ।

निनिन्द रूपं हृदयेन पार्वती प्रियेषु सौभाग्यफला हि चारुता ।।

(iii) द्विषां विघाताय विधातुमिच्छतो रहस्यनुज्ञामधिगम्य भूभृतः ।

स सौष्ठवौदार्यविशेषशालिनीं विनिश्चितार्थामिति वाचमाददे ।।

'भारवेरर्थगौरवम्' - कथन की समीक्षा कीजिए।

Examine the statement – 'भारवेरर्थगौरवम्'.

5. संस्कृत महाकाव्यों के उद्‌भव और विकास की विवेचना कीजिए।

(15)

Describe the origin and development of Sanskrit Mahakavya.

अथवा / OR

निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर विस्तृत टिप्पणी लिखिए :

Write detail notes on any **two** of the following :

(i) जयदेव

(Jayadeva)

(ii) अमरुशतक

(Amrushatak)

munotes.in

अथवा / OR

कुमारसंभवम् के पञ्चम सर्ग के पठितांश के अनुसार पार्वती की तपस्या का वर्णन कीजिए।

Describe the penance of Parvati according to the mentioned text of the fifth canto of the Kumarsamabhavam.

(iii) किरातार्जुनीयम् के प्रथम सर्ग के अनुसार वनेचर की उक्ति को अपने शब्दों में लिखिए।

Write the statement of Vanechara according to the First Canto of the Kiratarjuniyam in your own words.

अथवा / OR

(iv) व्यालं बालमृणालतन्तुभिरसौ रोद्धुं समुज्जुम्भते

छेत्तुं वज्रमणीञ्छिरीषकुसुमप्रान्तेन संनह्यते ।

माधुर्यं मधुबिन्दुना रचयितुं क्षाराम्बुधेरीहते

नेतुं वाञ्छति यः खलान्पथि सतां सूक्तैः सुधास्यन्दिभिः ।।

2. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : (9×2=18)

Explain with reference to the context of any **two** of the following :

(i) साहित्यसङ्गीतकलाविहीनः साक्षात्पशुः पुच्छविषाणहीनः ।

तृणं न खादन्नपि जीवमानस्तद्भागधेयं परमं पशूनाम् ।।

(ii) निशम्य चैनां तपसे कृतोद्यमां सुतां गिरीशप्रतिसक्तमानसाम् ।

उवाच मेना परिरभ्य वक्षसा निवारयन्ती महतो मुनिव्रतात् ।।

munotes.in

(iii) कृतप्रणामस्य महीं महीभुजे जितां सपत्नेन निवेदयिष्यतः ।

न विव्यथे तस्य मनो न हि प्रियं प्रवक्तुमिच्छन्ति मृषा हितैषिणः ।।

(iv) अनेकराजन्यरथाश्वसंकुलं तदीयमास्थाननिकेतनाजिरम् ।

नयत्ययुग्मच्छदगन्धिरार्द्रतां भृशं नृपोपायनदन्तिनां मदः ।।

3. निम्नलिखित में से किसी **एक** की संस्कृत में व्याख्या कीजिए : (9)

Explain any **one** of the following in Sanskrit:

(i) वरं विरोधोऽपि समं महात्मभिः ।

(ii) विवेकभ्रष्टानां भवति विनिपातः शतमुखः ।

(iii) न धर्मवृद्धेषु वयः समीक्ष्यते ।

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

(12×3=36)

Answer any **three** of the following :

(i) नीतिशतक के अनुसार 'मूर्खपद्धति' का वर्णन कीजिए।

Explain 'मूर्खपद्धति' according to Nitishatakam.

अथवा / OR

नीतिशतक में वर्णित नैतिक शिक्षा वर्तमान समाज के लिए अत्यधिक उपयोगी है - इस कथन का परीक्षण कीजिए।

The moral education described in Nitishatakam is very useful to the present society – Examine this statement.

(ii) कुमारसंभवम् के पञ्चम सर्ग के पठित अंश के आधार पर पार्वती के गुणों का वर्णन कीजिए।

Describe the virtues of Parvati on the basis of the mentioned text of the fifth canto of Kumarsambhavam.

P.T.O.

munotes.in